K–1080

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

PJ–102

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ) Ist Semester/Ist Year Examination Dec., 2023

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख प्रवर्तकों का परिचय दीजिए।

2. द्वादश राशियों का परिचय देते हुए उनके गुण एवं धर्म सहित विविध संज्ञाओं का प्रतिपादन कीजिए।

3. ज्योतिशास्त्र के प्रतिपाद्य विषय का वर्णन कीजिए।

4. सप्तमेश के लग्नादि द्वादशभावगत फल को लिखिए।

अथवा

सूर्य तथा चन्द्रमा से बनने वाले विविध योगों का वर्णन कीजिए।

5. चर राशियों का स्वरूप एवं शुभाशुभ फल प्रतिपादित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पंच महापुरुष योगों का वर्णन लिखिए।

2. द्वादश भावों का परिचय देते हुए सप्तम भाव की समीक्षा कीजिए।

3. ग्रहों का परिचय देते हुए पंचधामैत्री का वर्णन कीजिए।

4. पंचांग का परिचय दीजिए।

5. तिथि एवं नक्षत्रों का परिचय देते हुए उनकी संज्ञाओं का वर्णन कीजिए।

6. सूर्य की विंशोत्तरी महादशा फल का विवेचन कीजिए।

7. द्वादश भावों के कारकत्व के फल का विचार कीजिए।

8. सूर्यादि ग्रहों बनने वाले अरिष्टभंग योग का वर्णन कीजिए।

****